महाकाल का दीवाना | by Suren Namdev

उज्जैन नगरिया में हो जाये मेरा बस ठिकाना
महाकाल की नगरी में हो जाये यहीं ठिकाना
मैं तो हूँ तेरा दीवाना मैं बस भोले का दीवाना
हाँ जी हूँ तेरा दीवाना मैं बस भोले का दीवाना

जितना प्यारा धाम तुम्हारी छवि भी उतनी प्यारी
मन की मुरादें पूरी करके रखना लाज हमारी
रोम रोम भी नाच रहा अर्ज़ी ना ठुकराना
मैं तो हूँ तेरा दीवाना मैं बस भोले का दीवाना
हाँ जी हूँ तेरा दीवाना मैं बस भोले का दीवाना

अध्भुत तूने खेल रचाये शक्ति बड़ी निराली
तेरी माया का पार नहीं ओ संसार के माली
हम सब तेरे बच्चे लेकर आएं एक नज़राना
मैं तो हूँ तेरा दीवाना मैं बस भोले का दीवाना
हाँ जी हूँ तेरा दीवाना मैं बस भोले का दीवाना

राजा गोहर लिखे भजन तेरी दया है भोले
सारी उमर साथ निभाना देर ना करना भोले
झूम रहा है मन मेरा आज ना तड़पना
मैं तो हूँ तेरा दीवाना मैं बस भोले का दीवाना
हाँ जी हूँ तेरा दीवाना मैं बस भोले का दीवाना

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b2-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%a6%e0%a5%80%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a4%be-by-suren-namdev/